[This question paper contains 4 printed pages.]

6278 *Your Roll No. .....*

B.A. (Hons.)/III **E**

PHILOSOPHY – Paper VII(a)

(Contemporary Philosophy)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt **five** questions in all taking **three** questions from **Section A** and **two** from **Section B**. All questions carry equal marks.*

तीन प्रश्न खण्ड अ तथा दो प्रश्न खण्ड ब से चुनते हुए किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

Section-A
खण्ड अ

1. Distinguish local from global scepticism. Discuss in this context the argument from experience.

   स्थानीय संशयवाद का भेद वैश्विक संशयवाद से कीजिए। इस संदर्भ में अनुभव पर आधारित युक्ति का विवेचन कीजिए।

2. Gettier has no problem with any of the three clauses given by the tripartite account of knowledge. He only argues that they need supplementing. Discuss.

   ज्ञान के त्रिभागी विवरण के किसी भी उपवाक्य पर गैटियर को कोई समस्या नहीं है। उनका तर्क केवल इतना है कि इन तीनों उपवाक्यों के अतिरिक्त संपूरक की आवश्यकता है। विवेचना करें।

3. Is Nozick successful in refuting the sceptics in his conditional theory of knowledge? Discuss.

   क्या नौज़िक ज्ञान के अपने सोपाधिक सिद्धान्त में संशयवादियों का खंडन कर पाने में सफल हुए हैं? विवेचना कीजिए।

4. "In the absence of infallibility, the programme of Classical Foundationalism collapses." Explain.

   "अकाट्यता की अनुपस्थिति में, शास्त्रीय आधारवाद का कार्यक्रम नष्ट हो जाता है।" व्याख्या कीजिए।

5. Discuss and evaluate the community interpretation of the Private Language argument.

एकान्तिक भाषा तर्क की सामुदायिक व्याख्या का विवेचन कीजिए।

6. The Coherence theory of truth does not define truth for individual sentences. Analyse.

सत्य के संसक्तता का सिद्धान्त किसी एक वाक्य का सत्य निरूपण नहीं करता है। समीक्षा कीजिए।

Section-B
खण्ड ब

7. Evaluate Carnap's verifiability argument for the elimination of metaphysics.

तत्त्वमीमांसा के निरसनार्थ कारनैप द्वारा प्रतिपादित सत्यापनीयता तर्क का मूल्यांकन कीजिए।

OR/अथवा

What are Pseudo-statements? Explain with the help of examples.

कथनभास क्या है? उदाहरणों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

8. Examine whether a work of art presents a struggle between 'world' and 'earth'.

परीक्षण कीजिए कि क्या कलाकृति 'जगत्' तथा 'पृथ्वी' के मध्य संघर्ष को प्रस्तुत करती है।

OR/अथवा

Explain Heidegger's view about the origin of a work of art.

हाइडेगर के एक कलाकृति की उत्पत्ति के विचार की व्याख्या कीजिए।

9. Elucidate Rorty's distinction between systematic and edifying philosophy.

तन्त्रमूलक तथा शिक्षाप्रद दर्शन के बीच रॉरटी द्वारा दिए गए भेद को स्पष्ट कीजिए।

OR/अथवा

Does Rorty provide satisfactory arguments for the impossibility of knowledge? Discuss.

ज्ञानमीमांसा की असंभवता सिद्ध करने के लिए क्या रॉरटी संतोषजनक तर्क प्रस्तुत करते हैं? विवेचन कीजिए।

10. Is the concept of 'mystical' open to logical analysis? Evaluate R.C. Gandhi's answer.

क्या 'रहस्यमय' की धारणा का तार्किक विश्लेषण संभव है? राम चन्द्र गाँधी के मत का मूल्यांकन कीजिए।

OR/अथवा

Addressing involves ethical presuppositions. Explain in this context the Gandhian concept of soul.

संबोधन नैतिक मान्यताएँ निहित करता है। इस संदर्भ में गाँधी द्वारा दी गई आत्मा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

(100)